कक्षा-आठवीं
विषय-हिन्दी

पाठ-17
बाज और साँप
—निर्मल वर्मा

शब्दार्थ

शिखर - पहाड़ की चोटी
सरिता - नदी
सिटपिटाना - भय या घबड़ाहट से सहम जाना
असीम - जिसकी कोई सीमा न हो, अपार
खोखल - खोखली जगह, बड़ा छेद
सिर धुनना - पछताना
आँखों से ओझल होना - नजरों से दूर हो जाना
आँखें चमक उठना - नई आशा जाग्रत होना
लथपथ - सना हुआ
अंतिम साँसें गिनना - आखिरी घड़ी
करुण - दुखभरी
गर्जन-तर्जन - तीव्र आवाज

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-अभ्यास

कहानी से

1. घायल होने के बाद भी बाज ने यह क्यों कहा, "मुझे कोई शिकायत नहीं है।" विचार प्रकट कीजिए।

उत्तर :- घायल होने के बाद भी बाज ने उक्त पंक्ति - "मुझे कोई शिकायत नहीं है" इसलिए कही क्योंकि बाज ने अपने जीवनकाल में लगभग सभी सुखों को भोग लिया था। उसने अपने अदम्य साहस एवं पराक्रम द्वारा असीम आकाश को नापने का प्रयत्न किया। जब तक शरीर में ताकत रही, कोई सुख ऐसा नहीं बचा जिसे न भोगा हो। उसका सारा जीवन मौज, मस्ती और उल्लास में व्यतीत हुआ है। इसलिए घायल होने के बाद भी बाज ने कहा "मुझे कोई शिकायत नहीं है।"

2. बाज जिंदगी भर आकाश में ही उड़ता रहा फिर घायल होने के बाद भी वह उड़ना क्यों चाहता था?

उत्तर :- बाज जिंदगी भर आकाश में ही उड़ता रहा, फिर घायल होने के बाद भी वह उड़ना चाहता था। वह कमजोर और लाचार जीवन नहीं जीना चाहता था। वह स्वच्छंदतापूर्वक आकाश में विचरण करना चाहता था। अपने अतीत की ऊँची उड़ान भरने के सुख को वह मरते दम तक भूलना नहीं चाहता था। इसलिए जीवन के अंतिम क्षणों में भी उसकी उड़ने की इच्छा बलवती थी, वह आकाश के असीम विस्तार को पाना चाहता था।

Scanned with CamScanner

3. साँप उड़ने की इच्छा को मूर्खतापूर्ण मानता था। फिर उसने उड़ने की कोशिश क्यों की?

उत्तर :– साँप उड़ने की इच्छा को मूर्खतापूर्ण मानता था, क्योंकि वह सोचता था कि उड़ने और रेंगने के बीच कौन-सा बड़ा अंतर है। सबके भाग्य में तो एक न एक दिन मरना लिखा है और मरकर सभी को मिट्टी में ही मिल जाना है।

जब वह बाज के घायल होने पर भी उसकी उड़ने की असीम चाह देखता है तो उसके मन में भी इच्छा जाग्रत होती है कि वह भी देखे कि आकाश में ऐसा क्या है? जिसके वियोग में बाज इतना व्याकुल होकर छटपटा रहा है। इसी कारण साँप ने भी उड़ने की कोशिश की, ताकि वह भी बाज के समान स्वतंत्रतापूर्वक विचरण कर आनंद का भोग कर सके।

4. बाज के लिए लहरों ने गीत क्यों गाया था?

उत्तर :– बाज ने शत्रुओं से लड़ते हुए अपना कीमती रक्त बहाया था और मरते दम तक आकाश की ऊँचाइयों को पाना चाहता था। वह साहसी और सकारात्मक विचारधारा का था। तभी तो उसे अपने जीवन से किसी प्रकार की कोई शिकायत न थी। लहरों ने उसकी इसी वीरता और बहादुरी से प्रभावित होकर गीत गाया।

5. घायल बाज को देखकर साँप खुश क्यों हुआ होगा?

उत्तर :– घायल बाज को देखकर साँप इसलिए खुश हुआ होगा क्योंकि अब उसे बाज से कोई खतरा नहीं था। खुश होने का सबसे बड़ा कारण यह भी था कि बाज आकाश में उड़ते हुए नीचे धरती पर रेंगने वाले साँप आदि जीवों को मारकर खा जाता था।

भाषा की बात

1. कहानी में से अपनी पसंद के पाँच मुहावरे चुनकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. आँखों से ओझल होना – रावण को खरी-खोटी सुनाकर अंगद उसकी उसकी आँखों से ओझल हो गया।
2. डींगें मारना – राकेश डींगें तो बहुत मारता है, लेकिन एक-एक पैसे के लिए मरता है।
3. गुण गाना – जब रमेश ने परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया, तो सभी उसका गुणगान करने लगे।
4. आश्चर्य का ठिकाना – पिताजी द्वारा कीमती खिलौना लाने पर मेरे आश्चर्य का ठिकाना न रहा।
5. जान हथेली पर रखना – रणक्षेत्र में भारत के वीर सदा जान हथेली पर रखकर लड़ते हैं।

2. उत्तर :–

प्रत्यय	प्रत्यय युक्त शब्द	प्रत्यय	प्रत्यय युक्त शब्द
1. दाता	जीवनदाता, अन्नदाता	3. प्रद	लाभप्रद, शिक्षाप्रद
2. दाई	दुखदाई, कष्टदाई		

****

Scanned with CamScanner